हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 11 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

15 जून से संचालित करें कंट्रोल रूम

मण्डला। कलेक्टर डॉ. सिडाना ने निर्देशित किया कि 15 जून से जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करें। यह सेंटर 24 7 कार्य करेगा। उन्होंने तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए। ग्राम स्तर पर जीआरएस, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, आशा कार्यकर्ता तथा कोटवार को शामिल करते हुए टीम बनाने की कार्यवाही अगले 2 दिवस में पूर्ण करें। सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं तथा प्रत्येक सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य केन्द्रों में सर्पदंशरोधी सहित आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता रखें। जल स्त्रोतों का क्लोरीनेशन कराएं।

पानी छोड़ने के पूर्व निचले क्षेत्रों में मुनादि कराएं

मण्डला। डॉ. सिडाना ने निर्देशित किया कि बारिश के पूर्व नालियों की सफाई, अनावश्यक गड्ढे भराव आदि की कार्यवाही पूरी करें। जिले की सभी बांधों का परीक्षण करें। उनमें आवश्यक मरम्मत एवं मेंन्टेनेन्स का कार्य तत्काल पूरा करें। बांधों के निचले क्षेत्रों में पानी छोड़ने के पूर्व सूचना देने की प्रभावी व्यवस्था बनाएं। उन्होंने बांध के निचले क्षेत्रों में अनाउंसमेंट एवं मुनादी आदि के लिए समन्वय बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि बारिश के पूर्व के मैंन्टेनेन्स कार्य पूरा करें।

राहत कार्य के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता रखें

मण्डला। कलेक्टर ने होमगार्डस को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों में बारिश के दौरान अपने अमले की तैनाती करें। राहत कार्य के लिए रबर बोट, लाईफ जैकेट, रस्सियाँ सहित अन्य जरूरी सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें। प्रशिक्षित गोताखोरों की सूची संधारित की जाए।

की जा रही जल स्त्रोतों की सफाई, हो रहे पौधरोपण

जल संरचनाओं के पुर्नजीवन के प्रयास

*** शासन-प्रशासन की सराहनीय पहल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश के सभी जिलों में परम्परागत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान का संचालन किया जाना है जिसके परिपालन में जनपद पंचायत मण्डला की समस्त 81 ग्राम पंचायतों में ऐसी जल संग्रहण संरचनाएं (जैसे नदी, तालाब, कुंआ, बावड़ी, चैकडेम, स्टापडेम आदि) जो कि वर्तमान में विभिन्न कारणों से अनुपयोगी हो गई है। इनके जल स्त्रोतों को अविरल बनाये जाने के लिए इन संरचनाओं का पुनरूद्धार, जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण किये जाने हेतु कार्यों को चिन्हित कर अधिक से अधिक कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु सतत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है।

जनपद पंचायत मण्डला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रमेश कुमार मंडावी ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मुख्यतः मनरेगा योजना के पाँच वर्षों से अधिक समय के पूर्व निर्मित स्टापडेम, चैकडेम, तालाब, सामुदायिक कूप एवं बावड़ी के कार्यों में मरम्मत, जीर्णोद्धार आदि कार्य मनरेगा योजना से कराये जा सकते हैं। इसके अलावा जल संरक्षण के तहत वे कार्य जो मनरेगा में अनुमत्य नहीं हैं उन्हें अन्य मद (5वां वित्त, 15वां वित्त) आदि से कराया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षाकाल के जल को अधिक से अधिक संग्रहित करने हेतु परंपरागत जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार करना है ताकि क्षेत्र विशेष की आवादी के आधार पर तैयार किये गये वाटर बजट के अनुसार उस क्षेत्र में निवासरत मनुष्यों एवं पशुओं के पेयजल एवं दैनिक उपभोग हेतु निस्तार के लिए पानी की समस्या को इस वर्ष पूरी तहर से दूर किया जा सके एवं जल का संग्रहण इतनी मात्रा में किया जा सके ताकि अगले वर्ष ग्रीष्मकाल में भी पानी के परिवहन की आवश्यकता न हो। जनपद पंचायत मण्डला की सभी ग्राम पंचायतों में स्टापडेम, चैकडेम, तालाब, सामुदायिक कूप एवं बावड़ी आदि में जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई कार्य कराये जा रहे हैं। साथ ही वृक्षारोपण की तैयारी हेतु गड्ढों की खुदाई भी की जा रही हैं। उक्त कार्य में पंचायत के अमले के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता का भी जन भागीदारी के रूप में अंभूतपूर्व सहयोग देखने को मिल रहा है। 16 जून 2024 को गंगा दशहरा के अवसर पर सभी ग्राम पंचायतों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उक्त अभियान का समापन किया जायेगा।

झाझनगर में कुआं मरम्मत

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम झाझनगर ग्राम पंचायत मानेगाँव में जल गंगा संर्वधन अभियान 2024 के अंतर्गत ग्राम पंचायत मानेगाँव द्वारा सार्वजनिक पेयजल कूप मरम्मत कार्य ग्राम झाझनगर को चिहाकिंत कर ग्रामीणों की मंशा अनुसार स्वीकृत जारी की गई जिसकी स्वीकृति राशि 0.38 लाख रखी गई। इस कार्य को ग्राम पंचायत मानेगाँव द्वारा 15 वे वित्त की राशि से कराया जा रहा है। वर्तमान में मरम्मत कार्य प्रगतिरत है, उपरोक्त सार्वजनिक कूप ग्राम झाझनगर के ग्रामवासियों के पेयजल एवं निस्तारी जल हेतु उपयोग किया जाता है। उक्त कार्य से ग्राम झाझनगर के 25 परिवारों को लाभ प्राप्त होगा।

मुकासखुर्द में सार्वजनिक पेयजल कूप मरम्मत कार्य

नारायणगंज के ग्राम मुरलापानी ग्राम पंचायत मुकासखुर्द में जल गंगा संर्वधन अभियान 2024 के अंतर्गत ग्राम पंचायत मुकासखुर्द द्वारा सार्वजनिक पेयजल कूप मरम्मत कार्य ग्राम मुरलापानी में कूप की वर्तमान की स्थिति का देखते हुये ग्राम पंचायत मुकासखुर्द में ग्रामीणों की सहमति लेकर स्वीकृति जारी की जिसकी स्वीकृति राशि 0.48 लाख रखी गई। इस कार्य को ग्राम पंचायत मुकासखुर्द द्वारा 15वे वित्त की राशि से कराया जा रहा है। वर्तमान में मरम्मत कार्य प्रगतिरत है, उपरोक्त सार्वजनिक कूप ग्राम मुरलापानी के ग्रामवासियों के पेयजल हेतु उपयोग किया जाता है।

डीएपी खाद के हैं अन्य विकल्प, नहीं आएगी उत्पादन में कमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मानसून के आगाज के साथ ही खरीफ की बोनी शुरू हो जाएगी। खरीफ की तैयारी में जुटे किसान खाद और बीज की व्यवस्था में लगे हुए हैं। जिले में पर्याप्त मात्रा मे खाद एवं बीज उपलब्ध है। मानसून के पूर्व ही सभी समितियों में मांग अनुसार यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एनपीके एवं पोटाश का भण्डारण भी किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में यूरिया 9000 एमटी, डीएपी 1400 एमटी, एसएसपी 2000 एमटी, एनपीके 1000 एमटी एवं पोटाश 60 एमटी समितियों, विपणन गोदाम एवं निजी विक्रेता के यहाँ उपलब्ध है।

जिले में इस वर्ष खरीफ सीजन में 2 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी प्रस्तावित है जिसमें मुख्यतः धान, मक्का, कोदो-कुटकी, अरहर, तिलहन फसलों की बोनी प्रमुखता से की जाती है। अच्छी फसल एवं उत्पादन हेतु संतुलित पोशक तत्व अति महत्वपूर्ण है। शंकर धान और मक्का हेतु अनुशंसित नाइट्रोजन, फास्फॉरस एवं पोटाश 120-60-40 और सीधी बोनी धान हेतु 100-40-20 मात्रा प्रति हे. का उपयोग किया जाना चाहिए। डीएपी की बढ़ती मांग और अनुपलब्धता के कारण अन्य वैकल्पित उर्वरकों के उपयोग करने की किसानों को सलाह दी जाती है। देश में डीएपी खाद की लगातार कमी बनी हुई है जिससे किसानों को डीएपी खाद की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति नहीं हो पा रही है। उपसंचालक कृषि मधु अली द्वारा जानकारी दी गई कि किसान खरीफ फसलों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके और एस एसपी का उपयोग कर सकते हैं। यह दोनों ही उर्वरक डीएपी के अच्छे विकल्प हैं और फसल उत्पादन में ज्यादा कारगार हैं। डीएपी के स्थान पर एसएसपी के उपयोग करने से भूमि संरचना का सुधार होता है क्योंकि इसमें सल्फर भी पाया जाता है। एसएसपी दानेदार एवं पाउडर दोनों ही रूप में उपलब्ध है। जिले में एनपीके उर्वरक 16:16:16, 20:20:0:13 और 12:32:16 उपलब्ध है और चूंकि सभी प्रकार के तत्व उपलब्ध होने से फसल अपनी आवश्यकता अनुरूप तत्वों का सम्पूर्ण उपयोग कर पाती है।

नैनो तकनीक पर आधारित नैनो यूरिया और डीएपी भी अत्यधिक कुशल उर्वरक हैं जो सूक्ष्म कणों के माध्यम से फसलों को तत्व प्रदाय करते हैं। नैनो उर्वरक 500 उस की बोतल में उपलब्ध है, जिसमें नैनो यूरिया का व्यय दर 240 रु प्रति 500 उस प्रति एकड़ और नैनो डीएपी का 600 रु प्रति 500 उस प्रति एकड़ है। नैनो उर्वरक फसल की उपज की पोषण गुणवत्ता को बढ़ाता है एवं फसल उत्पादकता में वृद्धि और लागत में कमी करके किसानों की आय में वृद्धि करता है।

कलेक्टर ने किया प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के शिक्षकों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन 2.0 में सेवाएं प्रदान करने वाले शिक्षकों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के रेनोवेशन कार्य को बेहतर ढंग से सम्पादित करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को सम्मानित किया। जिला योजना भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सभी विभागों के जिलाधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मंडला जिले के विद्यार्थियों में पर्याप्त योग्यता है। आवश्यकता है उन्हें समुचित मार्गदर्शन तथा सहयोग प्रदान करने की, जिसे प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन 2.0 के माध्यम से पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले के शिक्षकों ने प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन में जिस सेवाभाव के साथ कार्य किया है अनुकरणीय है। डॉ. सिडाना ने कहा कि सफलता की प्रारंभ हुई यह परंपरा अनवरत जारी रहनी चाहिए। ज्ञात होवे कि इस वर्ष नीट की परीक्षा में जिले के 13 तथा जेईई की परीक्षा में 3 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया है।

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों का भी सम्मान किया। उन्होंने कहा कि मंडला, घुघरी, मोहगांव तथा बीजाडांडी विकासखंड में 150 आंगनवाड़ी केन्द्रों का रेनोवेशन किया जाकर उनमें आकर्षक पेंटिंग की गई है। इन केन्द्रों को मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। ये आंगनवाड़ियां बच्चों को आकर्षित कर रही हैं। आंगनवाड़ी केन्द्रों के रेनोवेशन के बाद इन केन्द्रों में बच्चों की औसत उपस्थिति में भी वृद्धि हुई है।

यातायात नियमो के अंदेखी करने वाले वाहन चालकों पर बम्हनी बंजर पुलिस की सख्त कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मामले का विवरण इस प्रकार है थाना प्रभारी बम्हनी एवं पुलिस स्टाफ के द्वारा क्षेत्रांतर्गत वाहन चालको द्वारा सडक मार्ग पर परिवहन करते हुये यातायात नियमो की अनदेखी कर ओवर लोंडिग वाहनो का परिवहन करने तथा यातायात नियमो का पालन न करने वालो वाहन चालको पर अंकुश लगाने हेतु थाना प्रभारी वर्षा पटैल थाना बम्हनी पुलिस स्टाफ के साथ यातायात नियमो की अनदेखी एंव ओवर लोंडिग वाहनो पर दिनांक 10.06.2024 को बम्हनी पुलिस द्वारा समझाईस देते हुये चालानी कार्यवाही की गयी जिसके अंतर्गत 08 बडे वाहन हाईवा के चालको द्वारा वाहन के दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत न करने एंव वाहन मे ओवरलोडिंग माल परिवहन करना पाये जाने पर हाईवा चालको के विरूध्द मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही कर कुल 38,500/- हजार का चालान शुल्क वसूल किये गये। उक्त कार्यवाही मे निरी. वर्षा पटैल थाना प्रभारी बम्हनी, सहा. उप.निरी. राकेश बघेल आर. तेवेन्द्र कुमरे, आर. कुनाल, आर. उमराव सिंह, आर. सुनील, की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

समापन | **प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर बढ़ाया उनका मनोबल और उत्साह**

पुलिस के समर कैंप का हुआ समापन

*** प्रतिदिन सिखाई गई नई गतिविधियाँ**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला पुलिस द्वारा दिनांक 10 मई 2024 – गर्मी की छुट्टियों में बच्चे कुछ क्रिएटिविटी के साथ अच्छी एक्टिविटी भी सीखें इसी उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय भोपाल के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में मंडला पुलिस द्वारा रक्षित केंद्र मण्डला मे पुलिस परिवार के बालक-बालिकाओं के लिए 01 माह के लिए समर कैंप (ग्रीष्मकालीन खेल शिविर) का आयोजन किया गया।

इस समर कैंप का सफलता पूर्वक समापन आज दिनांक 10.06.2024 को पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में मण्डला पुलिस लाईन में किया गया, जिसमें अति पुलिस अधीक्षक मण्डला डॉ अमित वर्मा, रक्षित निरीक्षक सुनिल नागवंशी सहित प्रतिभागी, बालक-बालिकाएं उनके परिजन तथा अन्य पुलिसकर्मी व पुलिस परिवार के सदस्यगण उपस्थित रहें।

30 दिवस तक आयोजित समर कैंप की जानकारी रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी द्वारा देते हुए बताया की इन 30 दिनों में प्रतिभागी बालक- बालिकाओं को क्रिएटिव आर्ट, पेंटिंग, बेस्ट से वेस्ट बनाना आदि क्रिएटिव एक्टिविटी औंर विभिन्न फन गेम्स, स्पोकन इंग्लिश, साइबर अवेयरनेस, ट्रैफिक अवेयरनेस, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, हैंड राइटिंग इंप्रूवमेंट, डांस एवं फन आर्ट्स और विभिन्न खेलों जैसे खो-खो आदि के बारे में उनके एक्सपर्ट्स द्वारा बच्चों को बताते हुए, प्रतिदिन कुछ नया सिखाने का प्रयास किया गया। साथ ही बच्चें रचानात्मक चीजों को सीखने के दौरान उन्हें बोरियत न हो इसके लिये उनकें मस्ती और धमाल का भी पूरा ध्यान रखा गया। कैंप के समापन के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा द्वारा बच्चों द्वारा बनाई गयी पेंटिग्स व अन्य क्रिएटिव आर्ट्स का अवलोकन किया और इस दौरान विभिन्न एक्टिविटीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही उन्होनें कहा कि हमारे पुलिस परिवार के बच्चें गर्मियों की छुट्टियो में कुछ अच्छा और सार्थक सीखे इसी उद्देश्य से यह समर कैंप आयोजित किया गया था और हमारे बच्चों ने इतने कम समय में इतना अच्छा सीखकर, जो प्रदर्शन किया गया है वो तारीफे काबिल है। उन्होनें कहा कि स्कूलिंग के अलावा हम जो अन्य एक्टिीविटी को सीखते है, यह हमारी प्रतिभा को और निखारती है और इसका निश्र्चिति ही हमे भविष्य में लाभ भी मिलता हैं। उन्होंने पुलिस परिवार के लिये इसी प्रकार के और भी आयोजन मण्डला पुलिस द्वारा किये जाएगें कहा और सभी प्रतिभागी बच्चों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा इस सफल आयोजन के संचालन पर पूरी पुलिस टीम की सराहना भी की गयी।

उक्त समर कैंप के सफलतापूर्वक संचालन में रक्षित निरीक्षक, सुबेदार और प्रशिक्षकों तथा विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञ और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूरी टीम ने सभी बच्चों के बीच घुल मिलकर उन्हें, उनके दोस्त का ही एहसास करवाते हुए बढ़े ही रोचक तरीके से उन्हें विभिन्न एक्टिविटी करवाई।

जन सहयोग से की गई वाटर फिल्टर प्लांट की सफाई.....

मण्डला। जल गंगा संवर्धन अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। इसी क्रम में सोमवार को नगरपालिका परिषद द्वारा जनसहयोग से पड़ाव स्थित वाटर फिल्टर प्लांट की सफाई की गई। इस दौरान फिल्टर प्लांट के पूरे पानी को निकालकर उसकी दीवार तथा तल को पूरी तरह से साफ किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक तथा नगरपालिका परिषद मंडला के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

भुआबिछिया में मनाई गई महाराणा प्रताप जी की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

हिंदू सम्राट वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती भुआ बिछिया नगर में जोश जूनून और शौर्य के प्रतीकात्मक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करणी सेना के संभाग अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह करनी सेना के सिवनी जिला अध्यक्ष, विधायक नारायण सिंह पट्टा, समाज सेवी डॉ. विजय आनंद मरावी, राजपूत समाज के अध्यक्ष दानसिह राजपूत, नगर परिषद बिछिया उपाध्यक्ष रणधीर सिंह (रानू) राजपूत, संरक्षक डमरू सिंह राजपूत, अशोक सिंह राजपूत, रोहन सिंह राजपूत, बलराम राजपूत, भरत सिंह राजपूत की उपस्थिति में महाराणा प्रताप, भारत माता के तेल्यचित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलित कर प्रारंभ किया गया। जहां अतिथियों सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। देर रात तक शौर्य यात्रा ने नगर भ्रमण किया। कार्यक्रम का समापन समरसता भोज के साथ सम्पन्न हुआ।

आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय राजपूत एवं आयोजन कार्यकारिणी के सदस्य शैलू राजपूत, विजय राजपूत, पवित्र राजपूत, अमन राजपूत, संजू राजपूत, अनिल राजपूत, नरेश राजपूत, अभिषेक राजपूत, बलदाऊ राजपूत, ऋषि राजपूत, अभिषेक राजपूत, संदेश राजपूत द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में प्रदीप गोस्वामी, टेक राम राय, योगेश यादव, रत्नेश यादव, द्वारका राजपूत, कल्लू सिंह राजपूत, छतर सिंह राजपूत, गोपाल राजपूत, ज्ञानी राजपूत, परसोत्तम राजपूत, बृजेंद्र राजपूत, दीपक राजपूत, माधव राजपूत, पिंटू राजपूत एवं राजपूत समाज के समस्त स्वजातिय बंधुओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खबर संक्षेप

सड़कों पर धडल्ले से नाबालिग किशोर दौड़ा रहे है वाहन

गाडरवारा। शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसें ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबांलिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे है? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है, क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों पर 12 वर्ष सें लेकर 16 वर्ष की आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिख आसानी से दिखाई दे जाते है, इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौमिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ सकती है? आगे निकलनें की होड़- स्कूली विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरें से आगे निकलने के लिए रेस लगाते है साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अनोखे करतबो का प्रदर्शन भी भीड़ भरी सड़को पर रोजना करते हुए आसानी से देखे जाते है, इनके अभिभावक भी इन खतरों सें भलिभांति वाकिफ है? लेकिन भौतिक संसाधनों कें उपयोग और थेड़ी सी लापरवाही में जानकार भी अनजान बनें हुए है। सांझ ढलतें ही सड़कों पर- शाम होतें ही नगर की सड़कों पर कई किशोर जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर बैठे हुए होते है उनका उसके ब्रेकों तक पैर तक नही पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर वाहन दौड़ाते हुए आसानी से देखा जा सकता है, इतना ही नही यह लोग नगर कें प्रमुख मार्गों पर हार्न बजातें हुए और तेज गति से वाहन दौड़ातें हुए रोजाना देखे जा सकते है कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते होते बच जाते है? मगर इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और नही उनके अभिभावक जिसके चलते वाहन दौड़ाने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है?

बस यात्रियों को बारिश व गर्मी से बचने के लिए नहीं है कोई साधन

सांईखेड़ा। इस समय चल रहे भीषण गर्मी के सीजन में उमस भरी गर्मी से परेशान होते हुए देखे जा रहे है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि दादा धूनी वालों की नगर में बस स्टेन्ड के आभाव के चलते जहां सूरज की तेज तपन के बाद अब कुछ दिनों के बाद होने जा रही बरसात के मौकसम में बारिश में बसयात्रियों को भीगते हुए अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पडेगा। वही गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है। इस नगर में देखा जाता है कि बाहर से आने वाले यात्री पानी और छॉव की तलाश में इतने बडे नगर में किसी भी प्रकार से बस स्टेन्ड नही होने के कारण बस यात्रियों को सदा ही परेशान होते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि साईंखेड़ा में स्थाई बस स्टेण्ड एवं यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा न होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नर्मदा नदी के झिकोली पर पुल का निर्माण होने के कारण जहां यह क्षेत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल से जुड गया है जिसके चलते यहॉ से प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिलवानी, उदयपुरा, मेहरागॉव, सिरसिरी, रायसेन, भोपाल सहित अनेको यात्री बसे निकलते है एवं झिकोली के लिये लगभग 25 टायमिंग बसे निकलती है। परन्तु विभिन्न स्थानों के लिये जाने वाले बस यात्रियों को बसों के इंतजार के लिये सड़क पर पेड़ के नीचे या फिर चाय पान की दुकानों पर बैठना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो महिला बस यात्रियों के लिये ऐंसी स्थिति में सर्वाधिक परेशानी होती है।

कौरव सेवा समिति ने समाज के गौरवशाली प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हर समाज में देखा जाता है कि युवा पीढ़ी अपनी मेहनत के बल पर जिस तरह बुलंदियों को छूने का प्रयास करती है और जब सामाजिक बंधुओं के माध्यम से उन्हें सम्मान मिलता है तो निश्चित तौर से उनका मनोबल सातवे आसमान पर पहुंचने से नही चूकता है? मगर कौरव समाज निश्चित तौर से इस तरह के कार्य में पीछे देखी जा रही थी। समाज की इस कमी को बीते हुये वर्ष से कौरव सेवा समिति द्वारा पूरा करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इसी के चलते कौरव सेवा समिति द्वारा लगातार दूसरे वर्ष कौरव समाज के गौरवशाली प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ाने की सोच के चलते प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन नगर के रायल पैलेस भवन में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से कौरव समाज से सरकारी नौकरी पाने वाले युवा युवतितयों के आलवा कक्षा बारहवी वोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं सहित अपने निजी धंधे को सफलता पूर्वक स्थापित करने वाले समाजिक युवाओं को भी सम्माति करते हुये एक अनोखा संदेश दिया गया। इस तरह कौरव सेवा समिति द्वारा आयोजित किये गये इस कार्यक्रम की जहां सामाजिक लोगों द्वारा सराहना की जा रही है तो दूसरी ओर कौरव सेवा समिति द्वारा शुरू की गई इस अनोखी पहल को लेकर समाज के युवा वर्ग में काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्योंकि इस तरह के आयोजन को लेकर कौरव अन्य समाजों के अपेक्षा पीछे दिखाई पड़ रही है तो उस सच्चाई को कौरव सेवा समिति द्वारा समाप्त करते हुये समाज के प्रतिभाओं को एक मंच पर खड़ा किया गया है। कौरव सेवा समिति गाडरवारा द्वारा आयोजित किये गये इस आयोजन में समाज के उन छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया है जिन्होंने सत्र 2023-24 की वोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करते हुये प्रतिभाशाली बनकर समाज का नाम रोशन किया गया है। वही समाज के उन युवाओं को भी सम्मानित किया गया है जिन्होंने शासकीय सेवाओं में नौकरी प्राप्त करते हुये समाज की गरिमा में चार चांद लगाये गये है। रविवार को नगर के रायल पैलेस में आयोजित किये भव्य कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में सेवा निवृत उप पुलिस अधीक्षक छोटे राजा कौरव राज महल करेली, डा . राम कुमार कौरव सेवा निवृत प्रोफेसर, डा प्रहलाद सिंह कौरव प्रोफेसर, डा. अनिल कौरव ब्लाक चिकित्सा अधिकारी चीचली, प्राचार्य गजेन्द्र कौरव नयाखेडा, देवेन्द्र कौरव भारतीय जीवन बीमा निगम, अनिल कौरव जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सांईखेड़ा, आत्माराम कौरव सरपंच ग्राम पंचायत बरहटा बरेली, अजती कौरव उप सरपंच ग्राम पंचायत मनकवारा मौजूद थें। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ कौरव समाज के आराध्य भीष्म पितामह के पूजन के साथ किया गया। वही इसके उपरांत कौरव सेवा समिति द्वारा मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट करते हुये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद पत्रकार जगत में समाज का नाम रोशन करने वाले पत्रकार मनीष ममार, उमेश कौरव, हरेन्द्र कौरव, सीताराम कौरव भौरझिर, मनोज कौरव पनारी, शैलेष कौरव ठुटी, लाल साहब कौरव को भी कौरव सेवा समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इसके आलवा समाज के उन युवाओं को सम्मानित किया गया जो शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, डाक विभाग, कृषि विभाग, इंजीनियर, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन विभाग, राजस्व विभाग के आलवा बैक, रेलवे विभाग के अनेक पदों पर रहते हुये कौरव समाज का नाम रोशन कर रहे है। इसके आलवा कक्षा बारहवी की वोर्ड परीक्षा सत्र 2023-24 में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करते हुये प्रतिभाशाली बने छात्र छात्राये यानि की कौरव समाज की गौरव शाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। शासकीय सेवा में चयनित होने वाले समाज के गौरव शाली प्रतिभाओं में सोनम कौरव बरहटा समिति प्रबंधक, जयश्री कौरव गाडरवारा समिति प्रबंधक, सुरभी कौरव ग्राम सुदरास समिति प्रबंधक, अनुराग खैरी एनटीपीसी, लोक सेवा आयोग की परीक्षा यानि की एमपीपीएससी की परीक्षा में चयनित होने वालो में अंकित कौरव नरसिंहपुर, राहुल कौरव पुरगंवा, सिद्वी कौरव एवं साक्षी कौरव दोनो सगी बहिने ग्राम केकरा, श्रद्वा कौरव ग्राम नरसरा, अजीत कौरव ग्राम भौरझिर हरिनगर के आलवा शिवाल कौरव एमबीबीएस, राजा कौरव ग्राम सूखाखैरी एमबीबीएस, अभिषेख कौरव ग्राम बासदेही बैक, जितेन्द्र कौरव ग्राम बगलई रेलवे, शिवानी कौरव ग्राम नयाखेडा पटवारी, निखिल कौरव ग्राम कान्हरगांव रेलवे, धीरेन्द्र कौरव ग्राम कान्हरगांव रेलवे, सौरभ कौरव ग्राम आंडेगांव रेलवे, रोहित कौरव रेल विभाग तथा प्रशांत कौरव ग्राम आंडेगांव हबाई जहाज पायलेट के रूप में सरकारी नौकरी प्राप्त कौरव समाज का गौरव बढ़ाया गया है जिन्हें कौरव सेवा समिति द्वारा सम्मानित किया गया है। इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हुये सेवा निवृत उप पुलिस अधीक्षक छोटे राजा कौरव ने समाज की गौरव शाली प्रतिभाओं के उज्जबल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि निश्चित आज मुझे बड़ी खुशी हो रही है कि कौरव सेवा समिति द्वारा इस तरह का आयोजन करते हुये समाज के बच्चों को एक मंच पर बुलाकर उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि निश्चित तौर से कौरव सेवा समिति द्वारा जिस तरह समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का आयोजन किया गया है वह उल्लेखनीय है। क्योंकि हम देखते है कि हर समाज में इस तरह के आयोजन होते है। मगर हमारी समाज में इस तरह का आयोजन मुझे पहली बार देखने मिल रहा है। इस तरह के आयोजनों से निश्चित तौर से समाज के युवा वर्ग का मनोबल बढ़ता है। इसी प्रकार से अतिथि के रूप में पधारे हुये प्रोफेसर प्रहलाद कौरव द्वारा सभी प्रतिभाओं को उज्जबल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि आप लोग इस तरह के चौराहे पर पहुंच चुके है जहां पर आप लोगों के सामने अनेक रास्ते है। क्योंकि इस चौराहे से अलग अलग दिशाओं के लिये रास्ते जाते है। मगर आपकी प्रतिभा की परख तभी सफल होगी जब आप लोग सही रास्तें पर चलकर अपनी समाज का नाम रोशन करने में सफल होगे। क्योंकि आप लोगों को इस चौराहें पर आप लोगों को अनेक प्रकार के लोग मिलेगे। मगर सभी की बात सुनते हुये आगे की ओर बढ़ने की जरूरत है। इसी प्रकार से सेवा निवृत प्रोफेसर आर के कौरव ने भी मौजूद प्रतिभाओं को मार्ग दर्शन देते हुये कहा कि जिन बेटा बेटियों द्वारा कक्षा 12 की वोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किये गये है निश्ति तौर से उनकी मेहनत का परिणाम है। मगर अब वह इस तिरहे पर खड़े है जिनके सामने अपने उज्जबल भविष्य के लिये सही रास्ता चुनने के लिये चुनौती है। क्योंकि इस तिरहा से अलग अलग रास्त सामने दिखाई देते है और उनके चयन में यदि चूक हुई तो उसका परिणाम क्या निकलेगा इसका किसी को पता नही रहता है और यदि सही रास्ता चुन लिया तो उज्जवल भविष्य बनने से कोई नही रोक सकता है। इसी तरह अन्य अतिथियों द्वारा भी समाज की प्रतिभाओं को संबोधित करते हुये उनके मनोंबल को बढ़ाया गया। इस दौरान अनेक छात्र छात्राओं द्वारा मंच के माध्यम से अपने विचार साझा करते हुये मार्ग दर्शन किया गया। इस दौरान हाल ही में एमपीपीएससी परीक्षा में सफल रहने वाली सिद्वी कौरव, साक्षी कौरव व श्रद्वा कौरव द्वारा अपनी तैयारियों में जुटे हुये समाज के छात्र छात्राओं से कहा कि वह पूर्ण रूप से लग्न के साथ मेहनत करेगे तो सफलता जरूर मिलेगी। यह बात जरूर है कि सफलता मिलने में देरी लगती है। मगर उस देरी को लेकर घबरा नही चाहिये। वही जब भी किसी भी प्रकार से हम लोगों की मदद की जरूत पड़े हो आप लोग किसी भी समय मार्ग दर्शन लेने के लिये हम तीनों बहिनों से फोन लगाते हुये मदद मांग सकते है। वही कौरव सेवा समिति के प्रमुख राजेश कौरव द्वारा कार्यक्रम के संबंध में बताया कि कौरव सेवा समिति द्वारा लगातार समाज हित के कार्यो के लिये तत्पर रहती है। समाज का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिय हमारी समिति का यह लगातार दूसरा साल है। इस कार्यक्रम का उद्वेश्य मात्र यही था कि समाज का नाम रोशन करने वाले युवाओं को सम्मान देने के साथ उनका मनोबल बढ़ाने तथा एक मंच पर लाकर एक दूसरे से परिचित कराने है। क्योंकि इस तरह परसपर मिलने से जब एक दूसरे से पहचाना बना लेता है तो उसे आगे बढ़ने में मददगार साबित होने से नही चूकता है। हमारी समिति द्वारा इस मौके पर कौरव सेवा समिति के राजेश कौरव, राघवेन्द्र कौरव, शालकराम कौरव, संजय कौरव मेडीकल, इंजी. संजय कौरव, अजीत कौरव ग्राम घाट पिपरिया, ब्रजेश कौरव एल आई सी, ब्रजेश कौरव ट्रेज, भानु प्रताप कौरव, अंकुश कौरव, अनुभव कौरव, मनोज कौरव सोसाईटी, मनोज पटैल बरांझ, मोनू कौरव, वीरेन्द्र कौरव, प्रदीप गौरव बगलई, सतीष कौरव पार्षद गाडरवारा, आनंद कौरव, शान्तन कौरव, नीरज कौरव, निशांत कौरव, प्रकाश कौरव खैरी, राकेश कौरव बकील इनकम टैक्स, आशीष कौरव इमालिया, ब्रजेश कौरव भमका, नीलेश कौरव, रंजीत कौरव, सूरज कौरव, वीरेन्द्र कौरव व आशीष कौरव डोगरगांव, समीर कौरव, राजेन्द्र कौरव कामती सहित कौरव समाज के अन्य लोग मौजूद थें।

अचानक आग लगने से गरीब का आशियाना सहित 30 हजार नगद राशिजलकर हुई खाक

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। कहा जाता है कि कब किसके ऊपर मुश्बित का पहाड टूट जावे किसी को पता नही रहता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रात जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवरी के छीरटोला निवासी एक गरीब बीरजू के साथ देखने मिली है। जहां पर रात के समय अचानक गरीब के आशियाने में आग लगने के चलते जहां पूरा घर जलने के साथ साथ घर के अंदर रखी खाने पीने की सामग्री सहित 30 हजार रूपया की नगदी राशि जलकर राख होने से नही बच पाई है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत देवरी के छीरटोला निवासी बिरजू पिता बाबू लाल द्वारा आने वाले बारिश का सीजन शुरू होने के पहले अपने बच्चों का पेट पालने के लिये घर के अंदर खाने पीने की सामग्री सहित 30 हजार रूपया मेहनत मजदूरी करते हुये एकत्र करके रखे गये थें कि बारिश के दिनों में विषम परिस्थिति के दौरान काम आ जावेगे। मगर उसे क्या पता के आग की एक चिन्गारी मिनिटों के अंदर सब कुछ उजाड कर रख देगी। इस तरह एक गरीब के आशियाने में अचानक लगी हुई आग के चलते खाने पीने की सामग्री के साथ साथ पूरा घर जल जाने के कारण जहां गरीब को अब इस समय पड तरह सूरज की तपन तथा चंद दिनों उपरांत शुरू होने वाली बारिश के दिनों में सिर छिपाने के लिये जगह नही है। वही दूसरी ओर बारिश के दिनों में अपने बच्चों का पेट भरने के लिये भी अब खाने पीने की सामग्री नही बच पाई है। वही बताया जाता है कि इस तरह घटित हुई आगजनी की घटना को लेकर प्रशासन को सूचना तो मिल चुकी है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि समय रहते हुये प्रशासन द्वारा गरीब की इस तरह मदद करने में सफल हो पायेगा कि गरीब बारिश के दिनो में अपने बच्चों का पेट भर सके?

मात्र औपचारिकता ही साबित हुई शासन की बच्चों को दूध पिलाने की योजना

बीते हुये सत्र के दौरान शायद ही किसी स्कूल के बच्चों को दूध पीते हुये देखा गया हो?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जिस प्रकार से शासन द्वारा सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में अध्ययन करने वाले बच्चों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने के साथ साथ उन्हें भोजन क आलवा बीते वर्ष दूध पिलाने की योजना भी शुरू की गई थी। मगर यह योजना मात्र एक औपचारिकता ही जान पड़ते हुए ही दिखाई दे रही है? जानकारी के अनुसार जिस प्रकार से प्रदेश शासन द्वारा कुछ वर्ष पूर्व यानि की वर्ष 2016 में शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को माध्यान्ह भोजन के साथ साथ उन्हें स्वादिष्ट दूध पिलाने की योजना की शुरूआत करते हुए लाखो रूपया खर्च किया गया था और शुरूआती तौर पर यदि गौर किया जावे तो इस योजना को देखते हुए ते यह जान पड़ रहा था कि निश्चित तौर से इस योजना के चलते सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चें हष्ट पुष्ट बनकर अपने देश का नाम रोशन करने से नही चूकेगे? और इस योजना की शुरूआत करने के पूर्व जहां शिक्षा विभाग द्वारा आदेश देते हुए सभी स्कूलों में इसका पालन करने के भी सख्त निर्देश जारी किये गये थे, जिसके चलते शासकीय स्कूलों में शासन द्वारा दूध पावडर भेजते हुए बच्चों को दूध वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया था? मगर इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो

कुछ दिनों तक तो यह योजना ठीक ठाक रूप से चलते हुए देखी जा रही थी। मगर इसके बाद अब यह योजना जहां स्कूलों में पदस्थ शिक्षको के साथ साथ बच्चों को भोजन देने वाले स्वः सहायता समूहों के लिए इस प्रकार से सिर दर्द बन चुकी थी कि वह बच्चों को दूध देने की जगह शासन द्वारा भेजे गये उस दूध पावडर के अब आग के हबाले करने से भी नही चूक रहे थें, जिसका उदाहरण शासकीय स्कूलों में इस योजना के शुरू होने के चंद माह बाद ही देखने मिलना शुरू हो गई थी? क्योंकि शासकीय स्कूल में जिस प्रकार से शाला प्रबंधन द्वारा बच्चों के लिए शासन द्वारा भेजे गये दूध पावडर के आग के हबाले किया जा रहा है उसे देखते हुए यह बात स्पष्ट होने लगी थी कि इस योजना के नाम पर सरकार द्वारा मात्र पैसा खर्च करते हुए वाही वाली लूटने का ही प्रयास किया गया है? जिसका परिणाम है कि शायद इस योजना को अमली जामा पहनाने को लेकर न तो अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही शिक्षा विभाग के वह लोग जिनके द्वारा इस योजना को शुरूआत कराने के नाम पर लेकर बड़ी बड़ी बाते करते हुए बैठकों का आयोजन कर योजना को सफल बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किये गये थे? मगर इस प्रकार से प्रशासनिक अधिकाारियों की उदासीनता का परिणाम है कि सरकार द्वारा बच्चों के हितों का ध्यान रखते इस योजना की शुरूआत की गई थी वह चंद दिन बीतने के बाद अब पूर्ण रूप से दम तोड़ चुकी है और शासन की यह योजना मात्र एक औपचारिकता ही बनकर रह गई है? क्योंकि बीते हुये सत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो तो शायद ही किसी स्कूलों में शासन की इस योजना के तहत बच्चों को दूध पीते हुए देखा गया हो? यदि इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो प्रशासन अधिकारियों द्वारा इस योजना की शुरूआत करने के बाद ही जिस प्रकार से उदासीनता बरतना शुरू कर दिया गया था जिसका परिणाम है कि यह योजना अब सिर्फ कागजो तक सीमित रहने के बात लगभग समाप्त सी हो चुकी है?

गांव गांव बिक रहे मादक पदार्थो के चलते, बर्बादी की कगार पर पहुंच रही युवा पीढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा।

नशे से सामाजिक माहौल विकृत हो रहा है, शराब की सेवन की जुंग में विवादों की घटनाएँ सामने आ रही है, क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि नशा परिवारों में कलह का कारण बन रहा है, शहर और क्षेत्र की युवापीढ़ी तेजी से इस नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है। यह बात अलग है कि पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन नशा मुक्ति की रैली निकालते हुए लोगों को नशें से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पुलिस द्वारा किये जाने वाली यह पहल मात्र औपचारिकता के आलवा और कुछ जान नही पड़ रही है। अक्सर देखा जाता है कि मंचों से अधिकारियों से लेकर समाज सेवी संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति दिवसों पर बड़े बडे भाषण देते हुए नशा से दूर रहने की बात कही जाती है। मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि आज शहर से लेकर गांवों में भी अवैध रूप से जिस प्रकार शराब की बिक्री हो रही है तो दूसरी ओर गांजा भी गांवों में आसानी से उपलब्ध हो रहा है जो चिंता का विषय होने के साथ साथ पुलिस प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है? क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवो में खुलेआम अवैध शराब के अलावा गॉजा, महॅगी सिगरोटो, मस्ताना मुनक्का, नशीले ड्रग्स व गांव गांव बिक रहे अवैध शराब के सेवन का शौक युवाओं में बढ़ता जा

रहा है? उक्त नशीले मादक पदार्थो के आगे मदिरा महारानी शीश झुका रही है? इस स्थिति में पुलिस या अन्य एन.जी.ओ. द्वारा समय समय पर चलाये नशा मुक्ति अभियान बेअसर सबित हो रहे है? यदि नशे की सच्चाई पर गौर कि जावे तो शहर से लेकर गांवों में शाम से देर रात युवाओं के डगमग कदमो का नजारा देख क्षेत्रवासियों को अब अहसास होने लगा है कि नशा विरोधी बातावरण मंचो से शायराने अंदाज में भाषण देने से नही कुछ होगा बल्कि इसके लिए कारो में नही गलियो में पैदल घूमकर जनसेवा का झंडा उठाने वालो को युवाओं को जागरूक करते हुए इस तरह की लगातर नसीहत देना होगी जिससे नशे का उन पर सवार जिन्न पूरी तरह भाग जाए। मगर अवैध मदाक पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने में जिस प्रकार से पुलिस प्रशासन के कर्मचारियों का रवैया स्पष्ट होते हुए जान पड़ रहा है? सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अनेक गांवों में जिस प्रकार से गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की बिक्री हो रही है यह बात किसी से छिपी नही है? वही इस प्रकार से अवैधानिक रूप से मदाक पदार्थो की बिक्री करने वालों का नगर के पुलिस थाने में पदस्थ कुछ पुलिस कर्मियों से याराना संबंध होना जहां चर्चा का विषय बन चुके है? वही दूसरी ओर इस प्रकार के मादक पदार्थो की बिक्री के चलते युवाओं की जिन्दगी पूर्ण रूप से बर्बादी की कगार पर पहुंच रही है। इस संबंध में जब हमारी हरिभूमि टीम से नशा मुक्ति की सतही कोशिशो के बारे में चर्चा करते हुए लोगों का कहना है कि शासन प्रशासन के साथ साथ विभिन्न एन जी ओ द्वारा समय समय पर चलाऐ गये नशा मुक्ति अभियान मंचो के सहारे चलाने का कोई नतीजा नही निकलता है? मंचो से तो सिर्फ नशे के चलन पर चिन्ता प्रकट कर उपदेश दिए जा सकते है, इससे नशा छोड़ने के बारे में युवा पीढ़ी में सीधा संदेश नही जाता, नशा मुक्ति के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास किए जाने जरूरी है, क्योकि जब तक गांव गांव बिकने वाली अवैध शराब पर पुलिस रोक नही लगाती है तो इस प्रकार से नशामुक्ति अभियानों का कोई महत्तव नही है?

आवास योजना के तहत निर्मित भवनों में नही हो रहा है शासन के माप दंडो का पालन

गाडरवारा। शासन द्वारा शुरू की गई गरीबों को पक्के मकानों का निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार भवनों का निर्माण कार्य चल रहा है, मगर देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाये गये मापदंडों को दर किनार करते हुये बन रहे इन भवनों की ओर न तो अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही जिम्मेदारों द्वारा जिसके चलते शासन के नियमों की धज्जियाँ उड़ते हुए जान पड रही है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए बीते वर्ष यानि की 2 जून 2018 को तत्कालीन नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति अनीता रविशेखर जायसवाल द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित करते हुए आदेश दिया गया है कि नपा सीमा क्षेत्रान्तर्गत स्वीकृत किये गये भवन निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित की गई समस्त शर्तों एवं मापदंडों के अनुसार ही होना चाहिए तथा शासन के मापदंड के तहत भवनों के निर्माण में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाना प्रस्तावित है।

हरिभूमि ब्यूरो कार्यालय, गाडरवारा
स्थान परिवर्तन सूचना

हरिभूमि कार्यालय, गाडरवारा ब्यूरो कार्यालय जो पहले स्टेशन रोड उत्सव भवन के सामने था उसका स्थान परिवर्तन होने के बाद अब **अलका टाकीज रोड विजय कालोनी डॉ. आशुतोष मेहता की दांत अस्पताल के बाजू** में पहुंच गया है। समस्त हरिभूमि विज्ञापन दाता व पाठकगण अपने प्रिय अखबार हरिभूमि में अपने विज्ञापन व समाचार देने तथा हरिभूमि की प्रति प्राप्त करने के लिये अब हरिभूमि ब्यूरो कार्यालय के नये पते पर संपर्क करे।

संपर्क
लाल साहब कौरव
तहसील ब्यूरो प्रमुख 7771973184
उमेश कौरव
तहसील प्रतिनिधि 9425467157

कार्यालय का नया पता
हरिभूमि ब्यूरो कार्यालय अलका टाकीज रोड विजय कालोनी,
डॉ. आशुतोष मेहता के बाजू में गाडरवारा / कार्यालय फोन नं. - 07791-254644

खबर संक्षेप

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत की गई नदी की सफाई

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम डुकरी गांव में कशहा नदी में गांव के ग्रामीण, महिलाओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ जल क्षेत्र में पनप रहे जहरीली झाड़ियां जो पानी को दूषित करती थी उन्हें खोद कर बाहर किया गया एवं नहाने के स्थान को स्वच्छ किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे पुराने जो भी जल संरचनाएं हैं उनको ऊर्जीकृत करना उनको संरक्षित कर उन्हे स्वच्छ रखने और पानी को संरक्षण करने की गतिविधि में लोगों की भागीदारी कर उन्हें श्रमदान करने हेतु प्रेरित करना है इसी कड़ी को लेकर आज यह कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्राम के बुजुर्ग, पंच उपसरपंच एवं स्थानीय नागरिकों जिन्होंने बहुत ही उत्साह पूर्वक इस कार्य में भाग लिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक डॉक्टर निलेश्वरी बस एवं नवांकुर संस्था के अध्यक्ष रामलाल रजक मेंटर्स गोपाल रैदास एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सचिव सुरेंद्र झरिया ,प्रकाश अग्रवाल, शिवकुमार झरिया ,रामलाल झरिया गिर्राज सिंह ,भोला प्रसाद झारिया ,मातादीन, पंकज ठाकुर गोपाल सिंह ,हंसी बाई आदि लोगों के द्वारा सक्रिय योगदान देते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाएं एवं गांव में एक श्रमदान करने की लोगों में इच्छा जाहिर की गई।

अनियंत्रित ट्रक ने ढाबा में बोला धावा

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत एनएच 43 में पसला गांव स्थित ननका ढाबा में सोमवार की दरमियानी रात दो बजे के रेत खाली करके जा रहा एक डंफर ढाबा में घुस गया जिससे चालक सहित चार लोगों को गंभीर चोट आने पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में बताया गया कि ट्रक एमपी 18 जेडबी 1364 जो पसला में रेत खाली कर कोलमी जा रहा था तभी रात लगभग 2 बजे मुख्य मार्ग पर स्थित ननका ढाबा में अनियंत्रित होकर घुस गया जो ढाबा के दीवार से जाकर टकराया जिससे 40 वर्षीय चालक कोमल सिंह पिता नानसाह सिंह निवासी बीजापुरी क्रमांक 2 थाना करनपठार, 24 वर्षीय अमर बहादुर पिता छोटेलाल सिंह निवासी जरही थाना करनपठार के साथ होटल में खाना खा रहे 45 वर्षीय यूनुस पिता सलीम खान निवासी कोतमा तथा होटल में चौकीदारी कर रहे 45 वर्षीय बालकरन पिता समनू कोल घायल हुए जिन्हें जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है।

ऑटो पलटने से वृद्ध की उपचार के दौरान मौत

अनूपपुर। रविवार को एनएच 43 में बदरा के श्रमिकनगर के पास पसला गांव से कोतमा की ओर जा रहा एक ऑटो जिसमें सब्जी रखकर बाजार करने जा रहे थे सामने अचानक गाय आ जाने से अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गई रही जिसमें कई लोग घायल हुए रहे जिन्हें जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार हेतु भर्ती किया गया था। उपचार के दौरान रविवार की देर शाम कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत पसला गांव निवासी 55 वर्षीय सुग्रीव पिता स्व. गोपाली राठौर की मृत्यु हो गई।

खाल्हेभवर खंडी से बसनिया गोलीमार घाट, बसनिया गोलीमार घाट से जोहिला तक एवं बघाड़ से रामगुढ़ा तक ग्रेवल निर्माण में भ्रष्टाचार

जाँच में करोड़ों रुपये की आर्थिक अनियमितता प्रमाणित, भ्रष्टों पर कार्रवाई से परहेज...?

जाँच में अनियमितता उजागर होने के बाद भी भ्रष्ट अधिकारी, कर्मचारियों के विरूद्ध नहीं हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। पूरे देश में पिछड़े जिले के तौर पर यूँ ही डिंडोरी की पहचान नहीं होती, इसके पीछे बुनियादी सुविधाओं के नाम पर स्वीकृत निर्माण कार्यों एवं कल्याणकारी योजनाओं में फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार का अहम योगदान हैं, प्रतिवर्ष विकास के नाम पर अरबो रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा हैं, मामला उजागर होने और करोड़ो रूपये की आर्थिक अनियमितता जाँच में उजागर होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियो के विरूद्ध कार्रवाई न होने से जवाबदेह अधिकारियों की कार्यशैली में प्रश्नचिन्ह लगाता हैं।

नियमों कों दरकिनार कर करोड़ों रुपये का किया बंदरबाँट

कलेक्टर द्वारा गठित तीन सदस्यी समिति द्वारा जाँच की गई हैं, जिसमें खाल्हे भंवरखंडी से बसनिया गोलीमार घाट तक ग्रेवल सड़क निर्माण लागत राशि 135.2 लाख, ग्रेवल सड़क बसनिया-गोलीमार घाट से जोहिला नदी लागत 140.682 लाख एवं बघाड़ से रामगूढ़ा लागत राशि 148.52 लाख, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा बिना काम कराये कानूनी

प्रक्रिया पूर्ण किए बिना सप्लायर को करोड़ों का भुगतान करके शासकीय धन एवं पद का दुरुपयोग किया है। वही कलेक्टर द्वारा मामला संज्ञान में लेते हुए सीईओ जिला पंचायत को निर्देशित कर जाँच करने के आदेश दिये थे, मामले में जाँच दल ने अपने जाँच प्रतिवेदन में उल्लेखित किया कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा रोड निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री के क्रय हेतु कोटेशन आमंत्रण कर सामग्री न्यूनतम दरो पर क्रय की गई किंतु कोटेशन आमंत्रण का प्रकाशन समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया अथवा नहीं इसके अभिलेख विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं कराये गये, वही प्राप्त न्यूनतम दर महेश सिंह परमार की स्वीकृत है, किंतु सप्लाई ऑर्डर मेसर्स अन्नपूर्ण मटेरियल सप्लायर को दिये गये, साथ ही खनिज विभाग से रिवर बेड सामग्री का नदी से खनिज करने की किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई ना ही रोड निर्माण की परीक्षण रिपोर्ट व एम.ए.एस रजिस्टर विभाग ने जांच समिति कों उपलब्ध कराये जो यह दर्शा सके की वास्तव में रोड का निर्माण किया गया है या नहीं। वही जाँच दल ने अपनी रिपोर्ट में यह भी जिक्र किया है की विभाग द्वारा संपूर्ण अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने के कारण मूल्यांकन किया जाना संभव नहीं है।

वर्तमान कार्यपालन यंत्री पर लग रहें मामला प्रभावित करने के आरोप

वर्ष 2014-15 में राजेंद्र सिंह धुर्वे आरईएस विभाग में कार्यपालन यंत्री के पद पर पदस्थ थे, पदस्थापना अवधि में कार्यपालन यंत्री के द्वारा उपरोक्त ग्रेवल सड़को के निर्माण कार्य में अनियमित तौर पर करोड़ो रूपये का भुगतान किए जाने का आरोप हैं, फिलहाल मामले की जाँच रिपोर्ट में अनियमितता उजागर हुई हैं, मामले में लिप्त कार्यपालन यंत्री वर्तमान में डिंडोरी में पदस्थ रहते हुए मामले कों प्रभावित कर रहें हैं, शिकायतकर्ता सम्यक जैन ने मामले कों प्रभावित करने का आरोप लगाया हैं।

नीट में उत्तीर्ण हुए 26 विद्यार्थियों को प्रशानिक अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज समय सीमा की बैठक के पश्चात नीट में उत्तीर्ण हुए जिले के 26 विद्यार्थियों को प्रशानिक अधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीओपी के.के. त्रिपाठी, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग डॉ. संतोष शुक्ला सहित अन्य अधिकारी और विद्यार्थियों के

अभिभावक मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिले में जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित शासकीय उच्चतर मा.वि. में अध्ययनरत कक्षा 12वी उत्तीर्ण 26 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा 2024 में उत्तीर्ण हुए। कलेक्टर विकास मिश्रा के विशेष प्रयास से प्रत्येक जनपदों में नीट परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क क्लास और अतिरिक्त निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई थी। साथ ही संस्था के प्राचार्य एवं शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण हेतु सराहनीय प्रयास किया गया। नीट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों में मंजू लता मरावी, तृप्ति सैयाम, निशा मरावी, अर्चना, मधु बाई, स्वागता मरावी, कन्या शिक्षा परिसर डिंडौरी, नंदिनी परस्ते, अरुण कुमार धुर्वे, सृष्टि मरकाम, राजकरण सरैया, हिमानी मरावी, नीलम कुंजाम, अनुराग सिंह मालवीय, राजेश्वरी धुर्वे, सुलेखा धुर्वे, प्रवीण कुमार साहू, सुमित कुमार साहू, प्रियंका उरवे, रुक्मणी पंद्राम, खुशबू मरावी, रामचरण, सृष्टि मरावी, संस्कृति साहू, दामिनी परस्ते, सौरभ कुमार यादव, चंद्रावती मार्को है। योजना के अनुसार नीट परीक्षा के पूर्व तक नियमित प्रशिक्षण एवं परीक्षा संबंधी पुस्तकें प्रश्न बैंक विगत साल्ड पेपर अनसाल्वड पेपर एवं योग शिक्षको की व्यवस्था कर कलेक्टर द्वारा कोंचिग कराई गई। सभी प्रशिक्षण केन्द्रों का समय समय पर निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मरीजों को हो रही परेशानी

-आखिर कब नए भवन पर संचालित होगा शहपुरा अस्पताल का पैथोलॉजी लैब

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। हमेशा ही अखबारों की सुर्खियों पर रहने वाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा एक बार फिर चर्चाओं पर है मामला है शहपुरा सरकारी अस्पताल में संचालित पैथोलॉजी लैब का वैसे तो शहपुरा अस्पताल में पैथोलॉजी लैब को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट करने के लिए एक वर्ष पूर्व ही नए भवन का निर्माण हो चुका है बावजूद इसके शहपुरा अस्पताल में अभी भी पैथोलॉजी लैब दूसरी मंजिल पर संचालित किया जा रहा है, जिस कारण जांच के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मरीजों को पैथोलॉजी जांच के लिए दूसरी मंजिल पर मजबूरी बस जाना पड़ता है जिससे गर्भवती महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है आपको बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को एएमसी जांच शिविर लगायी जाती है जिसमें शहपुरा क्षेत्र अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है शनिवार को भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में एएनसी जांच की जा रही थी जिसमें महिलाओं की खासी भीड़ दिखाई दी एएनसी वार्ड के बाहर ही इंस्टॉल लगाकर सभी का पंजीकरण किया जा रहा था जिसके बाद गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए दूसरी मंजिल पर जाना था।

-पैथोलॉजी जांच की व्यवस्था दूसरी मंजिल पर होने से महिलाएं नाराज

शहपुरा अस्पताल में पैथोलॉजी लैब दूसरी मंजिल पर संचालित है जिस कारण गर्भवती महिलाओं को भी जांच के लिए दूसरी मंजिल पर पैदल चढ़कर जाना होता है जांच की व्यवस्था दूसरी मंजिल पर होने से महिलाएं नाराज नजर आई उनका कहना था कि गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए नीचे ही जांच की व्यवस्था होनी चाहिए वही हम आपको बता दें कि शाहपुरा अस्पताल में पैथोलॉजी लैब के लिए एक वर्ष पूर्व ही नए भवन का निर्माण हो चुका है लेकिन अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण अभी तक वहां पर पैथोलॉजी लैब संचालित नहीं हो पाया है

-लैब के बाहर भीषण गर्मी में जमीन पर बैठी दिखी गर्भवती महिलाएं

लैब के बाहर बैठी गर्भवती महिलाओं से जब हमने बात की तो उन्होंने बताया कि उनमें से कई महिलाएं दो घंटे से अपनी बारी का इंतजार कर रही है उन्होंने बताया कि पैथोलॉजी लैब के बाहर बैठने की उचित व्यवस्था नहीं है इसके साथ ही ना ही पंख लगे हैं और ना ही कलर है भीषण गर्मी में गर्भवती महिलाएं पैथोलॉजी लैब के बाहर अपनी बारी आने और जांच करवाने का इंतजार करती रही महिलाओं ने अधिकारियों से मांग की है कि मरीज को हो रही समस्या की समीक्षा कर उनके लिए उचित व्यवस्था की जाए जिससे आने वाले समय में कोई समस्या ना हो।

मोबिलाइजर कर्मचारी संघ शहपुरा ने तहसीलदार को कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। डिंडोरी अंतर्गत ब्लॉक शाहपुरा में पेसा मोबिलाइजर ने जनपद पंचायत शहपुरा कर पत्र क्रमांक क्रमांक/ज.प./शाखा/2024/224 दिनांक 28.05.2024 के अनुसार मोबिलाइजर चयन नामांकन के संबंध में जनपद सीईओ द्वारा आदेश जारी किया गया है की जनपद पंचायत शहपुरा के ग्राम पंचायतो के पेसा मोबिलाइजर की नियुक्ति निष्कासन किए जाने का पत्र ग्राम पंचायत, सचिव के नाम प्रेषित की गई है जिसमे पेसा मोबिलाइजरों की नियुक्ति के 1 वर्ष के पश्चात स्वत निरस्त किए जाने का उल्लेख किया है जबकि पेसा मोबिलाइजरो की नियुक्ति के पश्चात निरंतर तौर से लगभग 2 वर्ष 4 माह से नियमित कार्य कर रहे है जिसकी मानदेय प्रत्येक माह प्राप्त हो रही है । पेसा मोबिलाइजरों की कार्यों को देखकर पंचायत राज संचनालय मध्यप्रदेश के द्वारा पत्र क्रमांक 5748/पं.राज/ आरजीएसए/2024 दिनांक 20.05.2024 को पेसा मोबिलाइजरों की नियमित कार्य हेतु वर्ष 2026 तक तय की गई है जिसकी राशि शासन के द्वारा पूर्व से वितरित कर दी गई है इसी क्रम में जिला डिंडोरी के पेसा मोबिलाइजरों की मानदेय राशि भी पूर्व से अप्रैल मई जून 2024 की शासन द्वारा स्वीकृत कर दी गई है।मुख्यकार्यपालन अधिकारी द्वारा पंचायत राय संचनालय के द्वारा आदेश की अवहेलना कर मनमुताविक आदेश जारी किया गया है जो की विधि संगत नहीं है।मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद के द्वारा मोबिलाइजर्स को परेशान किया जा रहा है मान सम्मान को क्षति पहुंचाने का आशय से हटाए जाने हेतु पत्र जारी किया गया है ।इसी समस्या के संबध में मोबिलाइजर संघ शहपुरा ने तहसीलदार को कलेक्टर महोदय के नाम ज्ञापन सौपा और सीईओ को मौखिक शिकायत दी गई। मानदेय भुगतान किसी का 4 महीना तो किसी का 6 महीना आज भी नही हुआ है । जिसमे जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश संयोजक राजाराम साहू ,जिला महामंत्री एवम शहपुरा ब्लॉक अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद रैदास, सचिव भोजराज उइके एवम समस्त मोबिलाइजर उपस्थित रहे।

बाल श्रम प्रतिषेध दिवस के संबंध में बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत गठित जिला टास्क फोर्स समिति व बंधक श्रम (उत्पादन) अधिनियम 1976 के अंतर्गत गठित जिला सतर्कता समिति की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीओपी केके त्रिपाठी, श्रम निरीक्षक नीरज तेकाम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।अपर कलेक्टर ने बताया कि 12 जून को बाल श्रम प्रतिषेध दिवस के तहत जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी संस्था, दुकानों और होटलों इत्यादि में 14 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं की सेवाएं लेना अपराध की श्रेणी में आता है। जिले में बाल श्रम से संबंधित प्रकरण पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध उल्लेखित श्रम अधिनियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी। इस हेतु जिला टास्क समिति के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि बाल श्रम के संबंध में जन जागरूकता अति आवश्यक है। बैठक में जिला प्रशासन की तरफ से जिलेवासियों से यह अपील की गई है कि किसी भी संस्था, दुकानों और होटलों इत्यादि में 14 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं की सेवाएं न ली जाए।

अमरपुर के हर गली मोहल्ले एवं हर गांव गांव बिक रही अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। पूरे जिले में अमरपुर सबसे शांत ब्लॉक में गिना जाता रहा हैं। परंतु कुछ वर्षों से ब्लॉक मुख्यालय के साथ आसपास के गांव गांव में अवैध कारोबार का धंधा जोरों पर चल रहा हैं। अवैध शराब बिक्री का पूरे ब्लॉक का कोई भी गांव अछूता नहीं हैं। जिस गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री न होती हो चाहे जिस गांव में पहुंच जाएं अंग्रेजी शराब आसानी से ढाबा, होटल, चाय पान के टपरे एवं किराना दुकानों में उपलब्ध हो जाती हैं। अमरपुर ब्लॉक के किसलपुरी, सक्का, पिंडरूखी मुख्यालय में तो आधा दर्जन विक्रय केंद्र बने हुए हैं। जोकि अधिक कीमत में बेचने की वजह से आए दिन विवाद होते रहते हैं, ऐसे में कोई बड़ी घटना संभावित हैं। आसानी से शराब की उपलब्धता की वजह से देश के भविष्य कहे जाने वाले नवयुवक भी नशे के आदी होते जा रहे हैं। जिससे वाहन दुर्घटना एवं चोरी आदि अपराध बढ़ते नजर आ रहे हैं। इस नशाखोरी की वजह से घरेलू विवाद के चलते परिवार तबाही की कगार में पहुंच रहे हैं। जबकि इस अवैध कारोबार के नियंत्रण रोकथाम के लिए शासन द्वारा आबकारी विभाग की स्थापना की गई हैं। जो शायद सबसे निष्क्रिय विभाग साबित हो रहा हैं। जो अवैध शराब बिक्री रोकने तो क्या अंकुश भी नहीं लग पा रहा हैं। जानकारी अनुसार कभी-कभार विभाग का उड़नदस्ता क्षेत्र में पहुंचता हैं। जिसकी जानकारी विक्रय केंद्रों में पहले पहुंच जाती हैं। कभी अवैध व्यापार करने वालों के नाम से नाम मात्र की जप्ती बनाकर अपने कर्तव्य की इति श्री मान लेते हैं। शराब के शौकीन सड़क किनारे बैठकर शौक पूरा करते हैं और कांच सड़क पर फोड़ कर चले जाते हैं। जोकि वाहन चालकों, पदयात्रियों एवं मवेशियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ हैं। अमरपुर से जिस रोड़ में भी चले जाएं रोड किनारे बोतलों के बोतल फूट पड़े बिखरे ही मिलेंगे चाहे अमरपुर से चांदपुर हो या अमरपुर से देवरी, समनापुर, अमरपुर से भानपुर, अमरपुर से सक्का, अमरपुर से सलवाह रोड़ में अवैध रूप से पीने पिलाने का दौर निरंतर जारी हैं।

अमरपुर एवं शहपुरा कृषि आदान विक्रय संस्थानों का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले में खाद बीज एवं कीटनाशक के अवैध विक्रय परिवहन एवं कालाबाजारी को रोकने के लिए अनुविभागीय अधिकारी कृषि द्वारा विकासखंड अमरपुर के साहू बीज भंडार, माँ नर्मदा ट्रेडर्स, खरमेर नर्मदा वूमेन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड अमरपुर बीज उर्वरक विक्रय संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। बीज उर्वरक निरीक्षक शहपुरा द्वारा आशीष बीज भंडार, किसान कृषि सेवा केंद्र, वैष्णवी बीज भंडार, आशीष कृषि सेवा केंद्र, सत्यम बीज भंडार, अवनि किसान क्रॉप प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड रयपुरा निजी विक्रय संस्थानों एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बरगाव व आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शहपुरा का औचक निरीक्षण किया गया। जिन संस्थानों में विक्रय दर सूची चस्पा नहीं पाया गया एवं अन्य लापरवाही पायी गयी उन्हें

कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान बीज अधिनियम 1966 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत खाद बीज निरीक्षक वि. ख. शहपुरा द्वारा बीज एवं उर्वरक के नमूने लिए गये। कृषि आदान के वितरण के पूर्व ही सभी विकासखंडो में निरीक्षकों द्वारा नमूने लिए जा रहे है जिससे कृषकों को गुणवत्ता पूर्ण आदान उपलब्ध हो सके। जिले में निरीक्षण का कार्य जिला स्तरीय दल द्वारा सतत जारी है। खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं द्वारा किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर बिक्री, अवैध परिवहन करने पर कठोर वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी गयी। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी, खाद बीज एवं कीटनाशक निरीक्षक शहपुरा प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 11 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नर्मदा में नहाते समय युवक डूबा

नरसिंहपुर। जिले के नर्मदा नदी के रेतघाट बरमान में रविवार को नहाने के दौरान 19 वर्षीय एक युवक तेज बहाव में बहकर डूब गया, जिसका देर शाम तक पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना के बाद करेली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों और होमगार्ड की टीम के साथ मिलकर तलाशी शुरू कराई, लेकिन युवक का पता नहीं लग पाया है। घटना की जानकारी देते हुए करेली थाने के एसआई अभिषेक जैन ने बताया कि सुआतला थाना के ग्राम रीछई खमरिया निवासी शिवांक पिता प्रहलाद पटेल 19 वर्ष अपने करीब पांच दोस्तों के साथ नहाने के लिए आया था, और नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। युवक की तलाशी अभियान में शामिल एएआई लालमोहन दीवान ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि शिवांक और उसके साथी दीपेश्वर मंदिर की सीढियो वाले जिस हिस्से में नहा रहे थे वहां नहाने से उन्हें स्थानीय नाविको ने भी रोका भी था क्योंकि वहां बहाव तेज था, लेकिन उन युवकों ने नाविकों की बात अनसुनी कर दी। डूबा युवक शिवांक अपने घर का इकलौता पुत्र बताया जा रहा है। शाम तक चली तलाशी के बाद भी उसका कुछ पता नहीं लगा है, सोमवार को भी प्रशासन की टीम युवक की खोजबीन करता रहा ।

प्रभारी कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

नरसिंहपुर। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, टीएल पत्रों, जिले में खाद- बीज की उपलब्धता और अन्य बिंदुओं पर चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में प्रभारी कलेक्टर सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि बारिश के पूर्व शासकीय भ स्कूल, आंगनबाड़ी व अन्य शासकीय भवन की जर्जर स्थिति होने पर इसका प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी से सत्यापन कराकर डिस्मेंटल की कार्यवाही की जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम नगर पालिका एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों के साथ अपने- अपने अनुभाग में नगर की दुकानों का भ्रमण करें। इस दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक व खाद्य सुरक्षा की सैंपलिंग करें। बैठक में प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार ने बताया कि राज्य शासन द्वारा प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है।

वाहन से गिरकर महिला घायल

नरसिंहपुर। अपने भाई के साथ बाईक पर सवार होकर जा रही महिला वाहन से गिरने के कारण घायल हो गई, महिला का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार हरई थाना अंर्तगत मूर्खा निवासी नीलू डेहरिया अपने भाई के साथ सिंहपुर जा रही थी, तेंदनी के पास मार्ग पर आए स्पीड ब्रेकर आने पर वाहन उछला और नीलू वाहन से नीचे आ गिरी जिसके चलते उसके हाथ पैर और पीठ में चोटें आई है। महिला को तत्काल ही जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसको भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। उल्लेखनीय है, कि सड़क पर तेज रफ्तार को रोकने बनाए गए स्पीड ब्रेकर लोगों के लिए काल का गाल साबित हो रहे है। वही इन स्पीड ब्रेकरों पर किसी प्रकार के संकेत चिन्ह न होने से वाहन चालकों को इस बात का पता नहीं चल पाता है, कि आगे स्पीड ब्रेकर है और तेज रफ्तार होने के कारण वाहन अनियंत्रित हो जाता है। जिसके चलते हादसे में लोग चोटिल हो रहे है। प्रशासन को चाहिए, कि इस तरह मार्ग में बने स्पीड ब्रेकरों

कलेक्टर ने की सराहना.....

सुरक्षित मातृत्व का वाक्या पूरी टीम ने किया सफल सरकार की मंषानुसार चिकित्सकों ने किया कार्य

नरसिंहपुर। सरकार द्वारा लोगों को बेहतर सुविधा के लिये लाखों रूपये खर्च किये जाते है । जिले मे पदस्थ्य डाक्टरों द्वारा सरकार की मंशानुसार कार्य किया जिसकी सराहना सभी के द्वारा की जा रही है। जिले के स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल उस समय की, जब लगभग मरणासन्न हालत में अस्पताल पहुंची महिला को जिले के चिकित्सकों ने वॉर जोन बनाकर इलाज किया और आखिरकार उसकी थम रही सांसे लौटा दी ।

मरणासन्न स्थिति मे थी महिला

जिले के चिकित्सकों की इस उपलब्धि पर न केवल जिले की कलेक्टर शीतला पटले ने स्वास्थ्य मंत्रालय को इसकी जानकारी प्रेषित की है, जो प्रदेश में सफलता की कहानी अंक में प्रकाशित की जायेगी। पूरे मामले की जानकारी देते हुए जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे ने जानकारी देते हुए बताया, कि पार्वती भारीया पति राम कुमार भारीया उमु 21 साल निवासी पीपला नरसिंहपुर के तीसरे बच्चे का प्रसव 07 जून को 12.39 पर सिविल अस्पताल गाडरवारा में हुआ था।

जिला चिकित्सालय किया गया था रेफर

प्रसव उपरांत पार्वती के बच्चे दानी से रक्त स्त्राव होने के कारण उसे सिविल अस्पताल गाडरवारा में उपचार दिया एवं दो बाटल ब्लड चढाया गया। इसके बावजूद भी उसका रक्त स्त्राव पूरी तरह बंद न होने के कारण उसे सिविल अस्पताल गाडरवारा से जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां महिला चिकित्सक डॉ क्षिप्रा कौरव, स्टॉफ नर्स एवं उसकी एएनएम को साथ में भेजा गया, इसके साथ ही जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की मेंटर चेतना सहलाम एवं लेबर रूम प्रभारी बिंदु तिवारी को सूचित किया। जिन्होने तत्परता से जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में आकस्मिकता की स्थिति से संबंधित पूरी तैयारी रखी।

आदिवासी महिला की बचाई जान

जिला अस्पताल पहुंची मरीज को डॉ साधना पटेल ने गंभीर स्थिति में पाया, कि उसकी खून की जांच करायी गई, जिसमें उसका एचबी 5 प्रतिशत पाया गया। मरीज की गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए डॉ साधना पटेल ने संस्था के अन्य स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नम्रता शुक्ला, डॉ. सुरेंद्र पटेल, डॉ. ईषा डागर एवं निश्चेतना विशेषज्ञ डा. शुभलक्ष्मी सिंघई के साथ मरीज को ऑपरेशन थियेटर में ले गई। वहां पर मरीज की जनरल एनेस्थिशिया में जांच की गयी और पाया, कि मरीज की बच्चेदानी में अंदर तक टियर है एवं वहीं से रक्त स्त्राव हो रहा है। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर मरीज को निशुल्क एक बोतल रक्त दिया गया तथा पूरी टीम ने बच्चेदानी के टियर को रिपेयर किया। तदुपरांत मरीज की सोनोग्राफी डॉ. शोभना पटेल ने की एवं कहीं पर कोई कमी नहीं पायी। फिर मरीज को एचडीयू में शिफ्ट किया गया। आज महिला मरीज अभी पूर्णतः स्वस्थ्य है।

सीएमएचओ ने दिये थे आदेश

महिला की गंभीर हालत की जानकारी कलेक्टर शीतल पटले की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शामिल जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. राकेश बोहरे को जैसे ही लगी, तो वे बीच बैठक को छोड़कर बाहर निकले और चिकित्सकों को ईलाज से संबंधित दिशा-निर्देश दिए। इसके लिए दो विशेषज्ञ चिकित्सकों को जहां ईलाज के लिए लगाया गया, वही अन्य जिलों के चिकित्सकों से भी सलाह मशबरा किया गया। जिसके बाद महिला का सफल आपरेशन किया गया। आदिवासी महिला के इलाज में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की संपूर्ण टीम जिसमें लेबर रूम एवं ओटी की स्टॉफ नर्स सायना, रजनी, प्रीति सेन, कमलेश्वरी उइके, कविता, शिवानी, आम्रपाली, दिव्या, लक्ष्मी, सुश्मिता एवं प्रभारी नर्सिंग ऑफीसर उमा राव का पूरा सहयोग रहा।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे जानकारी प्राप्त होने के बाद डाक्टरों की विशेष टीम बनाकर उपचार के निर्देश दिये गये थे जिससे आदिवासी महिला ने स्वास्थ्य शिशु के रूप मे बच्ची को जन्म दिया। पूरी टीम का कार्य सराहनीय रहा।

डॉ. राकेश बोहरे
सीएमएचओ

सैनिक स्कूल के निर्माण कार्य का श्री पटेल ने किया पूजन अर्चन

नरसिंहपुर। जिले की गोटेगांव तहसील के बायपास मार्ग रेलवे ओवर ब्रिज के पास मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा सैनिक स्कूल का निर्माण कर प्रगति पर है इसी के चलते लगातार मणिनाग्रेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सदस्य लगातार निरीक्षण कर रहे हैं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने गोटेगांव के प्रस्तावित सैनिक स्कूल की स्थापना सम्बन्धी कार्यवाही को तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए डिजाइन तथा अनावासीय व आवासीय भवनों का निर्माण भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत किया जायेगा। भवन में सैनिक स्कूल के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन द्वारा सैनिक स्कूल के निर्माण कार्य को गति देने बेशमेंट कांक्रीट कार्य का शुभारंभ आदरणीय मुलायम सिंह पटेल (भैयाजी) के मार्गदर्शन में पूजन कर निर्माण कार्य का आरंभ किया गया। सैनिक स्कूल शिक्षा समिति के अध्यक्ष जालम सिंह पटेल पूर्व राज्य मंत्री एवं मणिनागेन्द्र सिंह फाउडेशन की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन लता पटेल ने विधिवत पूजन कार्य किया और निर्माणकार्य को आरंभ कराया। बरसात के पूर्व सैनिक स्कूल के बेस मेन्ट का कार्य करने का टारगेट है। जिसके आगे भी कार्य वर्षा काल मे चलता रहे। सैनिक स्कूल के निर्माण में आधुनिक मशीनों द्वारा कार्य किया जा रहे है। जिंसमे लगभग 150 कर्मचारी कार्य कर रहे है। गर्मी से बचाव के लिए जालम सिंह पटेल द्वारा निर्माणकार्य मे लगे समस्त कर्मचारियों को गमछा वितरित किये। करोड़ो रु की लागत से निर्माण होने वाले सैनिक स्कूल का लाभ पूरे क्षेत्र के बच्चों को मिलेगा। मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजी सरदार सिंह पटेल द्वारा निर्माणाधीन कार्यस्थल पर लगातार निर्माणकार्य में लगी टीम को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कार्यक्रम में एकम सिंह पटेल, ज्ञान बर्डिया, सुशील नेमा, रम्मू पटेल, देवदत्त पचैरी, राजू राजपूत, शक्ति सिंह राजपूत, बब्बी चैरसिया, सीताराम पटेल, उमाशंकर छिरा सुमित दुबे सहित अन्य सहयोगियों की उपस्थिति रही।

गौ तस्करी व रक्षा को लेकर विहिप एवं बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गौ रक्षा संवाद द्वारा गौशाला दान की राशि बढ़ाई गई और यह वर्ष गौ रक्षा संकल्प वर्ष बनाने की घोषणा की गई। इसका विहिप गोरक्षा विभाग स्वागत करता है। किन्तु गोरक्षा संकल्प के सरकार मंशा के विपरित गोवंश तस्करी तेज गति से बड़ी और गोतस्कर निडर होकर बड़ी संख्या में गोवंश तस्करी कर रहें । ज्ञात हो पिपल्यामण्डी 47 ट्रक गोवंश बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सहयोग से जप्त किया । सम्पूर्ण मध्यप्रदेश से गोवंश की तस्करी कर गोवंश को महाराष्ट्र, बंगाल ले जा रहे किसानों के नाम मांस व्यापारी गाडोल्या लोहार, भोलेभाले आदिवासीयों को चन्द रूपये देकर तस्करी करातें हैं। अभी तक का गोवंश कभी भी दक्षिण से उत्तर की ओर नहीं गया। बैल किसानों के लिये है न कि माँस मण्डी के लिए । देवास, उमरीया, रूणीजा, मंहू में जप्त गोमोंस से यह सिद्ध होता है कि

मध्यप्रदेश में लोकल सल्लाट हाऊस में गोवंश का वध कर लोकल माँस की दुकानों पर बिक रहा है। मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिशोध अधिनियम की अवहेलना कर तस्कर सक्रीय है और पुलिस अनदेखी कर रही है। मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिशोध अधिनियम का सख्ती से पालन हो । मध्यप्रदेश 350 लगभग पशु मेला एवं हांट बाजार के माध्यम से यह सब तस्करी होती है। ऐसे पशु बाजार एवं मेले पर प्रतिबंध लगा कर नियम विरूद्ध भरा गया हो तो मेला समिति पर भी मध्यप्रदेश गोवंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाये। विहिप गोरक्षा विभाग द्वारा 20 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया । उक्त मौके पर संत समाज श्री श्री 1008 रघुनाथ दास महाराज, श्री मानदानंद महाराज रामकृष्ण मिशन, जिला अध्यक्ष राव बहादुर सिंह, महेंद्र सिंह चैहान, खुमान सिंह पटेल, माता गीतांजलि देवी, रामकुमार लोधी, भगवानदास चढ़ार, अभिषेक पटवा, मुकेश पटेल, कार्तिक नेमा, धर्मेंद्र साहू, जिला प्रसार प्रचार प्रमुख राधे साहू, जिला सह प्रचार प्रसार प्रमुख आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नरसिंहपुर। घर के पीछे लगे पेड़ पर एक युवक ने फंदा लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली, परिजनों ने जैसे ही फंदे पर लटके युवक को देखा, तो उनकी चीख निकल गई, हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर जब जांच की, तो युवक की सांसे थम चुकी थी। पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी गौरव चांटे ने बताया, कि थाना क्षेत्र के ग्रीन सिटी जरजोला मार्ग निवासी रितेश पिता भागवत धानक उम्र 19 वर्ष, ने आपने पर घर के पीछे लगे नीम के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को किसी प्रकार का सुसाईड नोट मौके से बरामद नहीं किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों का पता किया जा रहा है।

मंत्री राव ने की मूंग-उड़द के पंजीयन की तिथि बढ़ाये जाने की पहल

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री, गाडरवारा विधायक उदय प्रताप सिंह ने ग्रीष्मकालीन मूंग व उड़द पंजीयन की तिथि बढ़ाए जाने आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर राज्य शासन को प्रस्ताव भेजने हेतु कलेक्टर नरसिंहपुर एवं उपसंचालक कृषि नरसिंहपुर को निर्देशित किया है। विषयांतर्गत उल्लेखित किया है कि वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) हेतु प्राइस सपोर्ट स्कीम

अंतर्गत के उपार्जन पर ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द के लिए न्यूनतम उपार्जन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसान पंजीयन कार्य दिनांक 10.06.2024 तक किए जाने हेतु निर्देश हैं। जबकि कृषकों से प्राप्त सूचना अनुसार तकनीकी समस्याओं के चलते पोर्टल पर फसल गिरदावरी अपडेशन नहीं होने के कारण कृषक पंजीयन नहीं हो पा रहे हैं। अतएव कृषक हित में पोर्टल संबंधित तकनीकी समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए किसान पंजीयन कार्य हेतु पंजीयन अवधि बढ़ाए जाने का प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को प्रेषित करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

विद्युत संबंधी शिकायतों हेतु शिविर आज

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण के लिये वृत कार्यालय, संभागीय कार्यालय एवं वितरण केन्द्र कार्यालय स्तर पर मंगलवार को शिविर लगाये जायेंगे। नरसिंहपुर वृत कार्यालय के अधीक्षण अभियंता अमित चैहान ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आयोजित होने वाले शिविरों में उपस्थित होकर अपनी विद्युत संबंधी शिकायतों का निराकरण कराकर शिविर का लाभ ले सकते हैं।

10 दिवसीय विभाग स्तरीय नव चयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ

नरसिंहपुर। विद्या भारती की योजनानुसार एवं केशव शिक्षा समिति महाकौशल प्रांत जबलपुर मध्यप्रदेश के मार्गदर्शन में 10 दिवसीय विभाग स्तरीय नव चयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग जबलपुर (विभाग) सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालयध्एनजेएम स्कूल बसखेड़ा (करेली) में 6 जून 2024 की सायं से दिनांक 16 जून 2024 की दोपहर तक आयोजित किया जा रहा है। गत दिवस प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन मदन खत्री पूर्व जिला सचिव सरस्वती शिक्षा परिषद जिला नरसिंहपुर की अध्यक्षता, संदीप सिंह ममार के मुख्य आतिथ्य, विक्रम सिंह चैहान सचिव माधव ग्राम भारती नरसिंहपुर एवं लक्ष्मीकांत धाकड़ सहसचिव सरस्वती शिशु मंदिर नरसिंहपुर के विशिष्ट आतिथ्य में वर्ग का उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ। उक्त मौके पर आचार्य राजकुमार सेन शारीरिक प्रमुख, हेमंत पटेल कामती, माखनसिंह राजपूत रीछई, पूरनलाल चढार तेंदूखेड़ा, कमलेश साहू कठोतिया, सुरेश कहार अतरिया, हेमकरन मेहरा पिपरिया रांकई, वर्ग स्थल बसखेडा एनजेएम प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता, वरिष्ठ आचार्य अजय अग्रवाल, रामजी पटेल, रोहित तिवारी की उपस्थिति रही।

जन शिक्षा केंद्र स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

नरसिंहपुर। नवीन शिक्षण सत्र में विद्यालय में शासन की योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक के पश्चात विद्यालय प्रमुख की उपस्थिति में जन शिक्षा केंद्र स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित कर नवीन शिक्षण सत्र के पूर्व विद्यालय स्तर पर की जाने वाली समस्त गतिविधियों की समीक्षा कर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसी के चलते जिला परियोजना समन्वयक डॉ आर पी चतुर्वेदी, बी आर सी ओ पी राय के मार्गदर्शन में जनपद शिक्षा केंद्र नरसिहपुर के जन शिक्षा केंद्र रोंसरा अंतर्गत शासकीय शालाओं के संस्था प्रमुख की समीक्षा बैठक जन शिक्षक द्वय आर पी शर्मा, संजय मेहरा की उपस्थिति में आयोजित की गई जिसमें सी ए सी शर्मा द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा दिशा निर्देश की जानकारी देते हुए नवीन शिक्षण सत्र में विद्यालय स्तर पर की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संस्था प्रमुख को शाला समय पर उपस्थित , शाला में नियमित प्रार्थना सभा, मूवमेंट पंजी सहित सभी शैक्षणिक रिकार्ड, गतिविधियों, विद्यालय के आवश्यक दस्तावेज के साथ नवीन शिक्षण सत्र की कार्योजना का संधारण, पालकों से गृह संपर्क, शाला की दर्ज संख्या बढ़ाने हेतु शिक्षक अभिभावक को गत सत्र की उपलब्धियों, बेहतर शैक्षणिक गतिविधियों के साथ शासन से मिलने वाली सुविधा से अवगत कराएं। नेस की तैयारी हेतु निर्धारित प्रपत्र में छात्र के कठिन बिंदुओं को चिन्हित कर स्थानीय अवधारणा से नए नवाचार को साझा कर छात्र की समझ अनुसार बिंदु पर चर्चा करें। छात्र छात्राओं के शिक्षण में किसी कठिन बिंदु पर समाधान हेतु अकादमिक स्तर पर सम्पर्क कर त्वरित समाधान कर सकते हैं। शिक्षक शिक्षण कार्य में टेब का उपयोग अवश्य करें। निशुल्क पाठ्य पुस्तक, अभ्यास पुस्तिका, प्रयास पुस्तिका सभी संस्था तक पहुंचा दी गई है, जिन्हे पर्वेशोत्सव पर वितरण करना। विद्यालय में खेल एवं पुस्तकालय का कोना अवश्य बनाएं। उक्त समीक्षा बैठक में जन शिक्षा केंद्र अंतर्गत समस्त संस्था प्रमुख की उपस्थिति रही।

विधायक ने पंजीयन अवधि बढ़ाने लिखा,मुख्यमंत्री एवं कृषिमंत्री को पत्र

तेंदूखेड़ा- विगत दिवस तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल के द्वारा ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द की पंजीयन अवधि बढ़ाने गिरदावली को पोर्टल पर प्रदर्शित होने संबंधि एक पत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन सिंह यादव तथा एक पत्र कृषिमंत्री ऐदलसिंह कसाना को लिखा है। जिसमें उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार की प्राइस सर्पोस स्कीम योजना के अंतर्गत विपरण वर्ष 2024-25 ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिये पंजीयन की कार्यवाही 6 जून से 10 जून के बीच की जानी थी। तथा किसानों की पटवारियों द्वारा गिरदावली का पंजीयन किया गया था जो राजस्व पोर्टल पर तो प्रदर्शित हो रहा है लेकिन विपरण के पोर्टल पर गिरदावली पंजीयन प्रदर्शित नहीं हो रहा है। जिस कारण से अधिकांश किसानों के पंजीयन नहीं हो पाये है। इस पंजीयन अवधि को लगभग 10 दिवस तक और आगे बढ़ाया जाना चाहिये जिससे संपूर्ण किसानों के भलीभांति पंजीयन हो सकें।

हल्का मे नहीं पंहुच रहे पटवारी ग्रामीण परेशान

तेंदूखेड़ा- तेंदूखेड़ा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सर्रा बंधी में पिछले 15 दिनों से पटवारी नदारत होने के कारण वहां के किसानों से संबंधित तथा विभिन्न शास. योजनाओं के काम रूके पड़े है। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम के सरपंच ने जानकारी देते हुये बताया कि पिछले दो तीन माह पूर्व ही यहां पर उक्त पटवारी की पदस्थापना हुई है। लेकिन पटवारी की मनमानी के चलते उक्त पटवारी अपने हल्के मे कभी कभार ही पंहुचा करते है। तथा इन्हें फोन लगाने पर फोन भी नहीं उठाते है। इस कारण से किसानों को परेशानियां हुआ करती है। ग्राम के लोगों सहित सरपंच ने अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की है कि तत्काल प्रभाव से हल्का पटवारी को हल्का पर रहने निर्देशित किया जाये एवं किसानों से संबंधित सभी कामों को समय पर पूर्ण कराया जाये।

विधायक ने श्रमदान कर किया पौधारोपण

तेंदूखेड़ा- मुख्यमंत्री द्वारा संपूर्ण प्रदेश में पर्यावरण दिवस से गंगा दशहरा तक चलाये जा रहे जल गंगा संरक्षण अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोड़यिां में वृक्षारोपण करते हुए श्रमदान कर जल स्त्रोतों की साफ सफाई की गई। उनके साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ स्थानीय कार्यकर्ता और अधिकारी कर्मचारी भी प्रमुख रुप से उपस्थित थे इस मौके पर विधायक श्री पटेल ने कहा कि इस अभियान में सभी वर्गों के लोगों को आगे आकर पर्यावरण सुरक्षा और जल संरक्षण की दिशा में सहयोग करना चाहिए।

भारत माता की उतारी आरती महाराणा प्रताप और विरसा मुंडा की मनाई जयंती

तेंदूखेड़ा- विगत दिवस अंग्रेजों के छक्के छुड़ा देने वाले देश के प्रति सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महाराणा प्रताप सिंह तथा आदिवासी वर्ग के उत्थान में संलग्न रहने वाले विरसा मुंडा जी की जयंती पर्व हनुमान मंदिर परिसर में भारत माता की आरती के साथ मनाई गई। इसके पूर्व कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर विद्या भारती के नीरज राय के द्वारा प्रकाश डाला गया वहीं मुख्य वक्ता के रुप में ठा नितिन सिंह द्वारा काफी विस्तार से दोनों महामानवों के जीवन दर्शन पर विस्तार से जानकारी दी इस मौके पर बबलू पटेल, अंकेश ठाकुर धर्मेंद्र अग्रवाल शुभम नीखरा आयुष अग्रवाल, सैयम जैन आदित्य नायक पंकज जैन शुभम पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।